चित्र नं-1

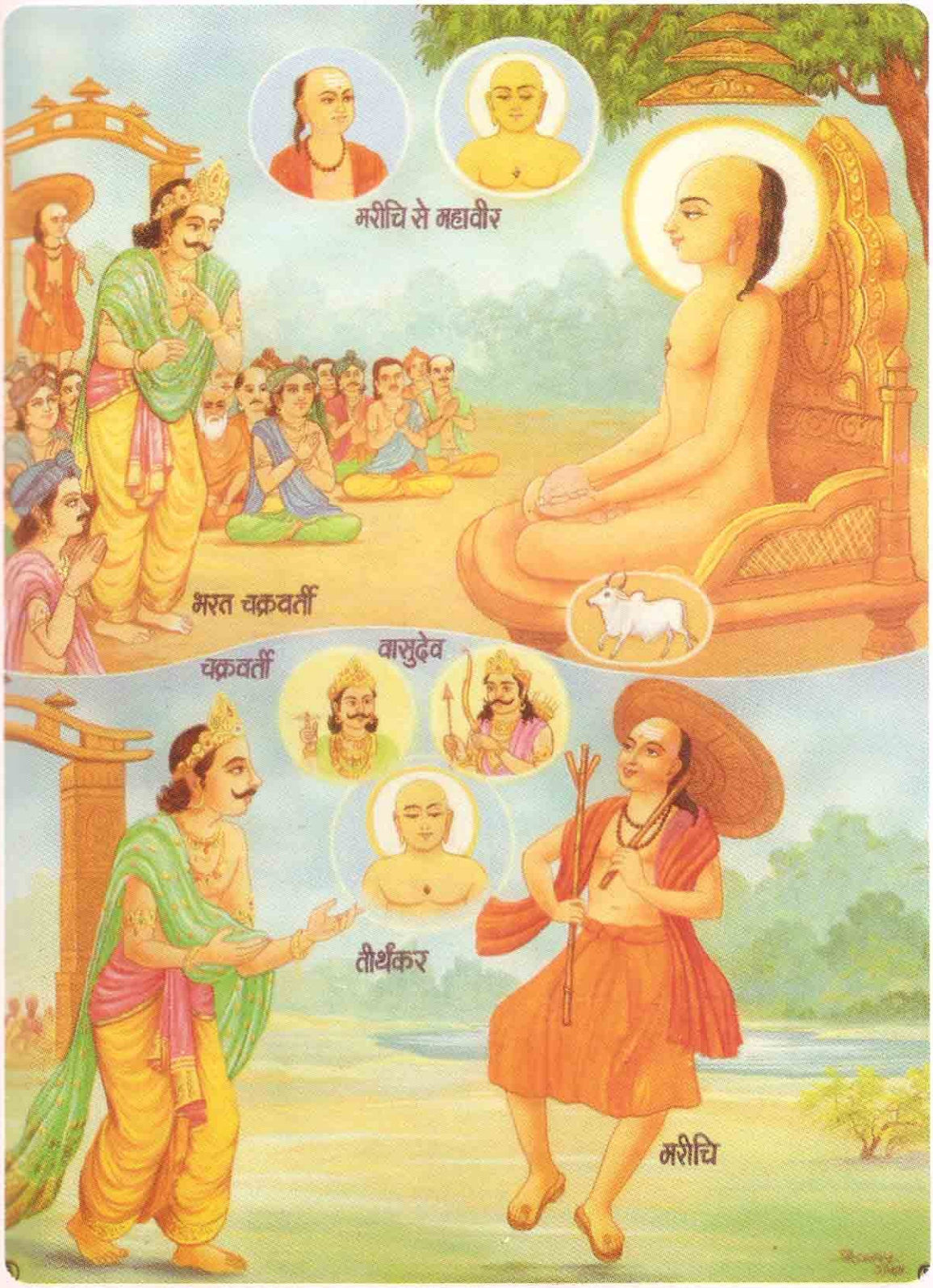

भगवान ऋषभ देव द्वारा मरीचि का भविष्य कथन तथा भरत चक्रवर्ती द्वारा भविष्य बताने पर मरीचि अहंकार में उछलना

विवरण 23 से 39 पेज तक

त्रिपृष्ट वासुदेव द्वारा सिंह का विनाश

विवरण 23 से 39 पेज तक

चित्र नं-3

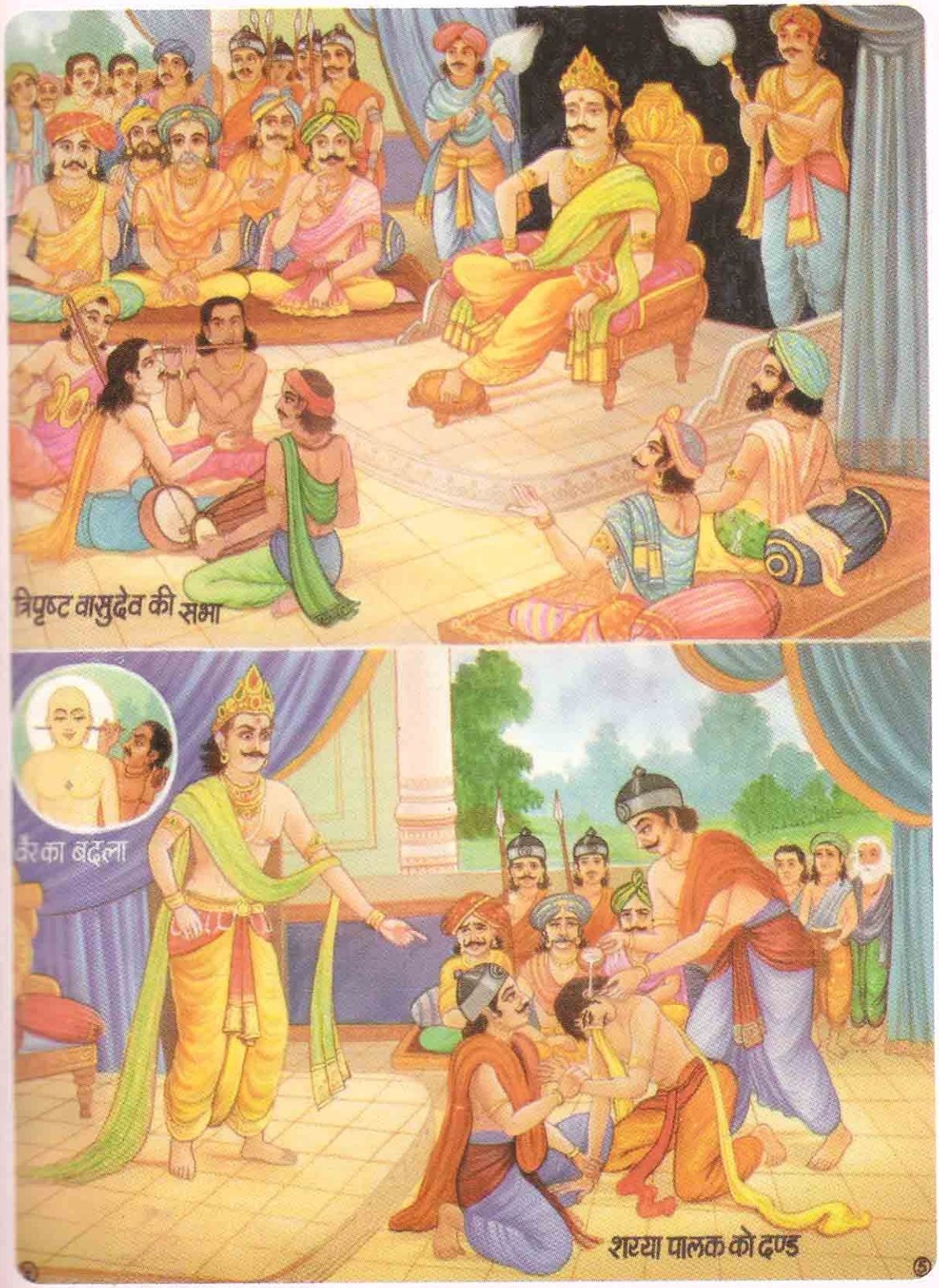

त्रिपृष्ट वासुदेव की सभा में संगीत का कार्यक्रम तथा शय्यापालक के कानों में खौलता शीशा डालना।

विवरण 23 से 39 पेज तक

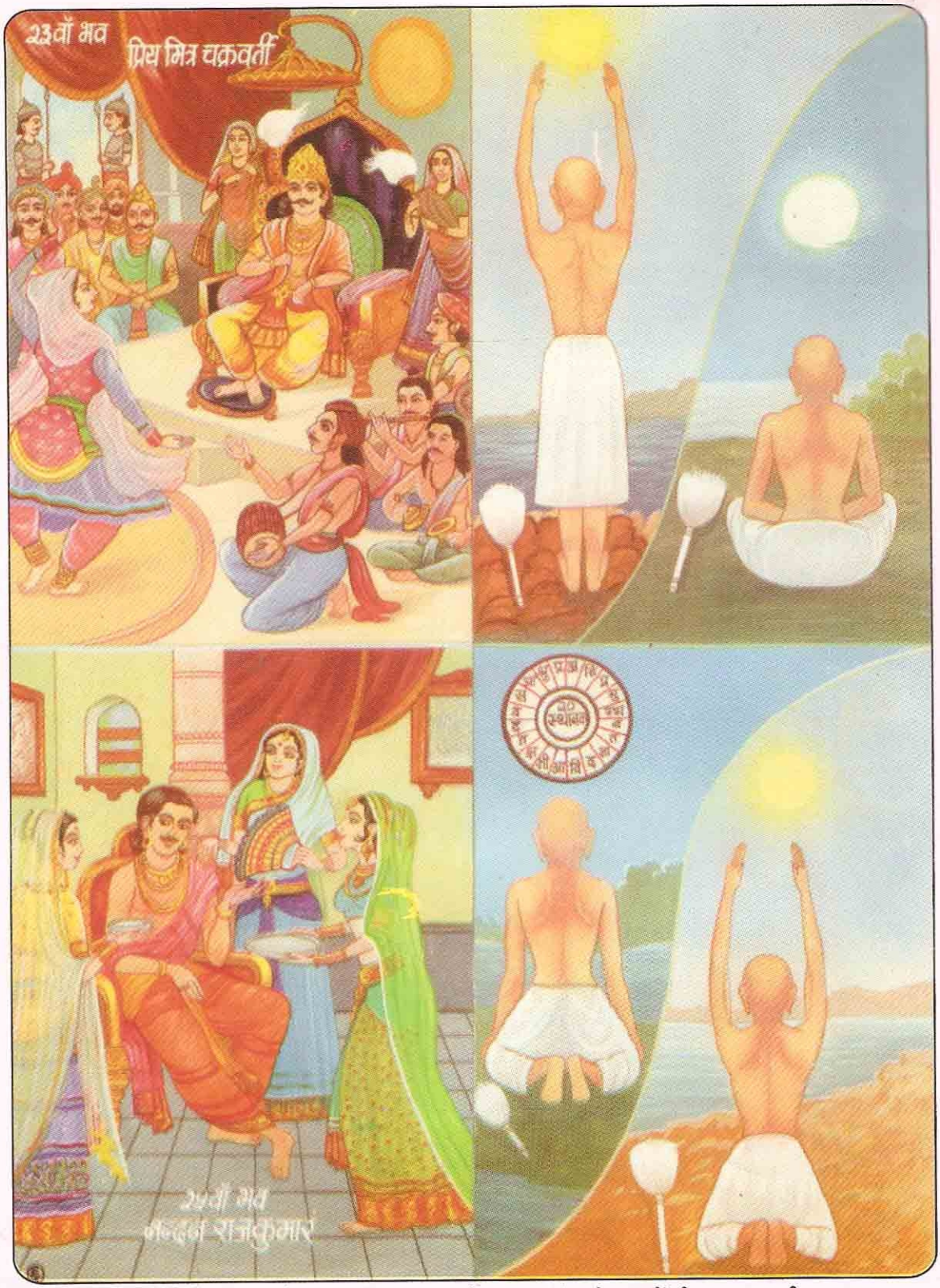

प्रियमित्र चक्रवर्ती के भव में राज्य वैभव का भोग कर बाद में तपस्या। नंदन के भव में बीस स्थानक की आराधना।

विवरण 23 से 39 पेज तक